पंजाब में कोयले की कमी

३३०. **श्री बागड़ी :**
श्री गुलशन :
श्री बूटा सिंह :

क्या खान और ईंधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को मालूम है कि पंजाब में कोयले की कमी के कारण ईंटों के भट्टे बन्द हो रहे हैं जिस के कारण नये मकानों का निर्माण और विस्तार के कामों में बहुत रुकावट पैदा हो रही है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार पंजाब को कोयला पहुंचाने के लिये क्या कदम उठा रही है और हाल ही में कितनी गाड़ियां कोयला पंजाब को दिया जा रहा है ?

खान और ईंधन मंत्री (श्री के० दे० मालवीय) : (क) जून, १९६२ से कोयला नियंत्रण ने सारे राज्यों के लिये बल्क कोटे Bulk quotas का संशोधन किया है। यह राज्य सरकारों पर निर्भर है कि वे विभिन्न सूचियों के उपभोक्ताओं की पिछली खपत और उन की आवश्यकताओं को दृष्टि में रखते हुए उन के बीच में समस्त कोटे में से बल्क कोटे का वितरण करें। जून, १९६२ के दौरान पंजाब के लिये बी. आर. के. कोयला (B. R. K. Coal) के कोटे के १३५६ वैगन निश्चित किये गये किन्तु १४६५ वैगनों का प्रेषण हुआ।

(ख) जुलाई, १९६२ से पंजाब के लिये बल्क कोटे में ३७२ वैगनों की वृद्धि की गई है। तो भी, पंजाब के लिये जम्मू और काश्मीर की कालाकोट खानों से ईंटों को पकाने वाले कोयले की समधिक सप्लाई का प्रश्न सरकार के विचाराधीन है।

विश्वविद्यालय शिक्षा समिति

३३१. **श्री रा० स० तिवारी** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्वविद्यालय शिक्षा समिति की स्थायी समिति की स्थापना हो चुकी है ; और

(ख) यदि हां, तो समिति में कितने सदस्य रखे गये हैं और उन के नाम क्या हैं ।

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) (क) जी हां ।

(ख) समिति में निम्नलिखित १२ सदस्य हैं:—

डा० सी० पी० रामस्वामी अय्यर (अध्यक्ष)
प्रोफैसर एस० एन० बोस
डा० सुनीति कुमार चटर्जी
डा० डी० आर० गाडगिल
डा० पी० के० केलकर
पंडित हृदय नाथ कुंजरू
प्रोफैसर एम० मुजिब
प्रोफैसर हीरेन मुकर्जी
डा० विक्रम साराभाई
प्रोफैसर एम० एन० श्रीनिवासन
प्रोफैसर ए० आर० वाडिया
श्रीमती मुरीयल वासी (सदस्य सचिव)

Copper Mines in Rajasthan

332. **Shri Raghunath Singh:**
Shri Kashi Ram Gupta:

Will the Minister of Mines and Fuel be pleased to state:

(a) whether experiments have proved that a separate smelter shall be required to be set up at Khoh-Dariba Copper Mines in Rajasthan;

(b) if not, what shall be the arrangement and mode of transport for carrying the ore from Khoh-Dariba to Khetri;

(c) in view of the fact that Khoh-Dariba and its vicinity of several